भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3280 जिसका उत्तर
शुक्रवार, 7 अगस्त, 2026/16 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है

सागरमाला कार्यक्रम के तहत जेट्टी और यात्री टर्मिनलों का निर्माण

†3280. श्रीमती भारती पारधी:
श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
श्री नरेश गणपत म्हस्के:
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) चालू वर्ष के दौरान केंद्र सरकार द्वारा मुंबई के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर नए जेट्टी और यात्री टर्मिनलों के निर्माण के लिए 'सागरमाला कार्यक्रम' के तहत स्वीकृत कुल वित्तीय और तकनीकी सहायता कितनी है;

(ख) क्या उक्त जल परिवहन परियोजनाओं से सड़कों और उपनगरीय रेलगाड़ियों में भीड़-भाड़ कम होगी, जिससे आम जनता के यात्रा समय और धन की बचत होगी;

(ग) यह सुनिश्चित करने के लिए कि टिकट का किराया आम नागरिकों के लिए वहन योग्य रहे, केंद्र सरकार की नीति का ब्यौरा क्या है;

(घ) स्थानीय कोली समुदाय और मछुआरों की आजीविका में बिना कोई बाधा उत्पन्न किए आधुनिक जेट्टी के माध्यम से उनके पारंपरिक व्यवसाय को सशक्त बनाने के लिए क्या विशिष्ट वित्तीय प्रावधान किए गए हैं; और

(ङ) महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में रो-रो (रोल-ऑन/रोल-ऑफ) और यात्री नौका सेवाओं के विस्तार के लिए शुरू की गई परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): चालू सागरमाला योजना में राजकोषीय संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण, वर्तमान वित्तीय वर्ष में मुंबई के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर जेट्टी और यात्री टर्मिनलों के निर्माण के लिए किसी भी नई परियोजना को मंजूरी नहीं दी गई है।

(ख): वर्तमान सागरमाला योजना के तहत, तटीय संपर्कता में सुधार के लिए महाराष्ट्र राज्य में 561 करोड़ रुपये की लागत वाली 18 रो-रो / रो-पैक्स अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। यात्री जेट्टी, फेरी टर्मिनल और रो-रो/रो-पैक्स सुविधाओं सहित जल परिवहन अवसंरचना का विकास, परिवहन के एक स्थायी और कुशल साधनों के रूप में तटीय पोत परिवहन और अंतर्देशीय जल परिवहन को बढ़ावा देता है। ये परियोजनाएं यात्रियों और वाहनों की आवाजाही का एक वैकल्पिक साधन प्रदान करती हैं, जिससे भीड़भाड़ वाली सड़कों और उपनगरीय रेल नेटवर्क पर दबाव कम होता है, यात्रा के समय, ईंधन की खपत और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आती है, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान मिलता है।

(ग): केंद्र सरकार जल परिवहन अवसंरचना के विकास हेतु सागरमाला योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। दिनांक 28.06.2017 की अधिसूचना सं. 12/2017- केंद्रीय कर (दर) के अनुसार, भारत में स्थित स्थानों के बीच सार्वजनिक परिवहन द्वारा यात्रियों (सामान सहित या बिना सामान के) का परिवहन, मुख्य रूप से पर्यटन उद्देश्य को छोड़कर, जीएसटी से मुक्त है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने दिनांक 22.01.2027 तक रो-पैक्स और यात्री फेरी प्रचालन हेतु पत्तन और जलयान से संबंधित शुल्कों को भी छूट दी है।

(घ): महाराष्ट्र सरकार ने सूचित किया है कि मत्स्य विभाग कोली समुदाय और मछुआरों की पारंपरिक आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए आधुनिक मत्स्ययन जेट्टी और उससे जुड़ी अवसंरचना का विकास कर रहा है। महाराष्ट्र राज्य में मत्स्ययन फिशिंग हार्बर / मत्स्य लैंडिंग केंद्रों के लिए सागरमाला योजना के तहत एमओपीएसडब्ल्यू द्वारा प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता का विवरण **अनुबंध 1** में उपलब्ध है।

(ङ): सागरमाला योजना के तहत, तटीय संपर्कता में सुधार के लिए महाराष्ट्र राज्य में 561 करोड़ रुपये की लागत वाली 18 रो-रो / रो-पैक्स अवसंरचना परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया गया है। इनमें से 340 करोड़ रुपये की 13 परियोजनाएं महाराष्ट्र राज्य में पूरी हो चुकी हैं। इसका विवरण **अनुबंध-2** में उपलब्ध है। सागरमाला योजना के तहत मध्य प्रदेश राज्य में किसी भी रो-रो/रो-पैक्स/फेरी परियोजनाओं को अनुमोदन नहीं दिया गया है।

अनुबंध - 1

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसी	परियोजना लागत	एमओपीएसडब्ल्यू का हिस्सा	परियोजना की स्थिति
1	मुंबई के ससून डॉक स्थित मौजूदा मत्स्ययन हार्बर का आधुनिकीकरण	एमएफडीसीएल	92.52	23.13	कार्यान्वयनाधीन
2	मैलेट बंडर, मझगाँव में मत्स्ययन हार्बर का विकास	मुंबई पत्तन प्राधिकरण	96.60	48.30	कार्यान्वयनाधीन
3	सिंधुदुर्ग जिले के आनंदवाड़ी (देवगढ़) में मत्स्ययन हार्बर का निर्माण	एमएफडीसीएल	88.44	12.50	कार्यान्वयनाधीन
4	रत्नागिरी जिले में मिर्कवाड़ा मत्स्य पत्तन के चरण II का विस्तार कार्य	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	75.00	17.95	पूर्ण
5	महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के करंजा में मत्सयन हार्बर का निर्माण	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	149.80	68.51	पूर्ण

अनुबंध- 2

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसी	परियोजना लागत (करोड़ रुपये)	एमओपीएसडब्ल्यू का हिस्सा (करोड़ रुपये)	परियोजना की स्थिति
1	महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मोरा में रो-पैक्स जेट्टी और टर्मिनल का निर्माण	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	82.92	41.46	कार्यान्वयनाधीन
2	रीवास में रो-रो सेवा का विकास	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	21.66	10.83	कार्यान्वयनाधीन
3	महाराष्ट्र के मनोरी में रो-रो जेट्टी की सुविधा के लिए अप्रोच जेट्टी, स्लोपिंग बर्थ जेट्टी और अप्रोच रोड का निर्माण	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	6.59	3.29	कार्यान्वयनाधीन
4	अरनाला किले, तालुका वसई, जिला ठाणे में जेट्टी का निर्माण।	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	9.94	4.97	कार्यान्वयनाधीन
5	जंजीरा किला, रायगढ़ जिले में यात्री जेट्टी	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	121.23	55.41	पूर्ण
6	रायगढ़ जिले के काशिद में पर्यटन जेट्टी	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	99.82	49.91	कार्यान्वयनाधीन
7	मांडवा में ब्रेक वाटर का निर्माण	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	72.14	30.00	पूर्ण
8	मांडवा में रो-रो सेवा - मांडवा पत्तन विकास का दूसरा चरण	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	63.00	27.51	पूर्ण
9	वसई में रो-रो जेट्टियों का निर्माण	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	6.73	3.33	पूर्ण
10	महाराष्ट्र के भयंदर में रो-रो जेट्टी की सुविधा के	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	7.25	3.54	पूर्ण

	लिए एप्रोच जेट्टी, स्लोपिंग बर्थ जेट्टी और एप्रोच रोड का निर्माण।				
11	महाराष्ट्र में नारंगी (विरार) में रो रो जेट्टी का निर्माण।	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	6.75	3.40	पूर्ण
12	घोड़बंदर में जेट्टियों का निर्माण	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	7.40	3.70	पूर्ण
13	महाराष्ट्र में सिंधुदुर्ग पत्तन पर मालवन पैसेंजर जेट्टी पर रो रो जेट्टी का निर्माण	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	10.63	4.84	पूर्ण
14	मांडवा में रो-रो यात्री सेवाओं के लिए नौचालन चैनल में गाद निकालने का कार्य	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	16.54	8.27	पूर्ण
15	कान्होजी आंग्रे द्वीप पर यात्री नौका जेट्टी का निर्माण	मुंबई पत्तन प्राधिकरण	7.68	3.84	पूर्ण
16	महाराष्ट्र के बेलापुर में पर्यटन जेट्टी का निर्माण।	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	6.50	4.05	पूर्ण
17	वेल्दुर, जिला-रत्नागिरी, महाराष्ट्र में पर्यटन जेट्टी का निर्माण	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	7.06	3.45	पूर्ण
18	रायगढ़ जिले के अंबाडावे शिगवान में रो-रो जेट्टी का निर्माण।	महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड	7.37	3.44	पूर्ण

*****